

भारत का राजपत्र **The Gazette of India**

प्रसाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 80] नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 31, 1975/चैत्र 10, 1897
No. 80] NEW DELHI, MONDAY, MARCH 31, 1975/CHAITRA 10, 1897

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION **(Department of Food)**

ORDER

New Delhi, the 31st March 1975

G.S.R. 174(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order further to amend the Vegetable Oil Product Producers (Regulation of Refined Oil Manufacture) Order, 1973, namely:—

1. (1) This Order may be called the Vegetable Oil Product Producers (Regulation of Refined Oil Manufacture) Amendment Order, 1975.

(2) It shall come into force on the 1st April, 1975.

2. In the Vegetable Oil Product Producers (Regulation of Refined Oil Manufacture) Order, 1973, for clause 3, the following clause shall be substituted, namely:—

“3. No producer shall manufacture for sale refined vegetable oils during any calendar month in excess of the quantity determined in the manner set out in sub-clause (a) or sub-clause (b), whichever is higher, namely:—

(a) The ratio of the production of refined vegetable oils during the month by any producer to his production during the same month of vegetable oil product, other than product manufactured for non-edible industrial use, shall not exceed twice the ratio of his production of refined vegetable oils during the two-year period from the 1st January, 1971 to the 31st December, 1972 to his production of such vegetable oil product during the said period; or

(b) the production of refined vegetable oils during the month by any producer shall not exceed 25 per cent of his production during the same month of vegetable oil product other than product manufactured for non-edible industrial use;

Provided that the Controller may, if he is satisfied that there are sufficient grounds for so doing, by order in writing, exempt any producer or class of producers from the provisions of this clause.”

[No. 3-VP(13)/73]

S. V. SAMPATH, Jt. Secy.

कृषि और विपणन मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1975

सं० का० नि० 174 (अ) — आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार वनस्पति-तेल उत्पाद उत्पादक (परिष्कृत तेल निर्माण का विनियमन) आदेश, 1973 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात् :—

1. (1) इस आदेश का नाम वनस्पति-तेल-उत्पाद उत्पादक (परिष्कृत तेल निर्माण का विनियमन) संशोधन आदेश, 1975 है।

(2) यह एक अप्रैल, 1975 को प्रवृत्त होगा।

2. वनस्पति-तेल-उत्पाद उत्पादक (परिष्कृत तेल निर्माण का विनियमन) आदेश, 1973 में, खण्ड 3 के स्थान पर, निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात् :—

“3. कोई भी उत्पादक किसी कैलेंडर मास के दौरान परिष्कृत वनस्पति तेल का विक्रय के लिए विनिर्माण उपखण्ड (क) में या उपखण्ड (ख) उपवर्णित रीति में अवधारित मात्रा में से जो भी उच्चतर हो, उससे अधिक मात्रा में नहीं करेगा, अर्थात् :—

(क) किसी उत्पादक द्वारा मास के दौरान परिष्कृत वनस्पति तेल के उत्पादन का जो अनुपात, अखाद्य औद्योगिक उपयोग के लिए विनिर्मित उत्पाद से भिन्न, वनस्पति-तेल-उत्पाद के उसके उसी मास के दौरान के उत्पादन से है, वह उस अनुपात के दुगुने से अधिक न होगा जो अनुपात कि एक जनवरी, 1971 से 31 दिसम्बर, 1972 तक की दो वर्ष की अवधि के दौरान परिष्कृत वनस्पति तेल के उसके उत्पादन का उक्त अवधि के दौरान ऐसे वनस्पति-तेल-उत्पाद के उसके उत्पादन से है; अथवा

(ख) किसी उत्पादक द्वारा मास के दौरान परिष्कृत वनस्पति तेल का उत्पादन, अखाद्य औद्योगिक उपयोग के लिए विनिर्मित उत्पाद से भिन्न वनस्पति-तेल-उत्पाद के उसी मास के दौरान के उसके उत्पादन के पच्चीस प्रतिशत से अधिक नहीं होगा :

परन्तु यदि नियंत्रक का समाधान हो जाए कि ऐसा करने के पर्याप्त आधार हैं तो वह लिखित आदेश द्वारा, किसी उत्पादक या उत्पादक वर्ग को इस खण्ड के उपबन्धों से छूट दे सकेगा।”

[सं० 3-बी०-पी० (13)/73]

एस० बी० सम्पथ, संयुक्त सचिव।